

**अमुख** वि. (तत्.) मुखविहीन, जिसका मुख न हो।

**अमुख्य** वि. (तत्.) जो मुख्य न हो, अप्रधान, गौण।

**अमुग्ध** वि. (तत्.) 1. जो मुग्ध न हो 2. जो मूढ़ न हो, जो मोहित न हो 3. विरक्त, अनासक्त।

**अमुत्र** पुं. (तत्.) परलोक में उस लोक में या अन्य लोक में।

**अमुद्रित** वि. (तत्.) जो मुद्रित न हुई हो जो छपी न हो।

**अमूक** वि. (तत्.) 1. जो चुप न हो, जो मूक न हो 2. जो गूँगा न हो, बोलनेवाला।

**अमूढ़** वि. (तद्.) 1. जो मूर्ख न हो 2. चतुर, पंडित।

**अमूमन** अव्य. (अर.) 1. प्रायः, सामान्यतः 2. आम तौर पर प्रयो. वह मेरे घर अमूमन शाम को आया करता है।

**अमूर्त** वि. (तत्.) 1. मूर्ति या आकार रहित, निराकार 2. अभौतिक 3. काल्पनिक, कल्पना-प्रसूत पुं. 1. परमेश्वर 2. आत्मा 3. वायु।

**अमूर्त अभिव्यंजकतावाद** पुं. (तत्.) चित्रांकन की एक विशिष्ट शैली जिसमें अमूर्त रूप, आकृति और अभिव्यंजनावादी तत्वों का मिश्रण होता है। abstract expressionism

**अमूर्त कला** स्त्री. (तत्.) रूपों, रंगों, रेखाओं से बनी ऐसी दृश्य रचना जिस का प्रकृत कला-वस्तु से वास्तविक रूप सादृश्य नहीं होता। abstract art

**अमूर्तपद** पुं. (तत्.) अमूर्त का ज्ञान कराने वाला पद या शब्द।

**अमूर्त प्रत्यय** पुं. (तत्.) भावात्मक प्रत्यय abstract idea

**अमूर्त बिंबविधान** पु. (तत्.) अमूर्त प्रतीकों द्वारा कथा वस्तु का सर्वांगीण सटीक चित्रण।

**अमूर्त बीजगणित** पुं. (तत्.) बीजगणित की एक शाखा जिसमें समूह, वलय, क्षेत्र आदि अमूर्त बीजीय संकल्पनाओं का अध्ययन होता है abstract algebra

**अमूर्त भाषा** स्त्री. (तत्.) मस्तिष्क में रहने वाली भाषा का अमूर्त रूप।

**अमूर्ति** वि. (तत्.) मूर्तिरहित, निराकार स्त्री. (तत्.) आकाररहित, निराकारता।

**अमूर्तिमान** वि. (तत्.) 1. निराकार, जो मूर्तिमान न हो 2. अप्रत्यक्ष, अगोचर।

**अमूल** वि. (तत्.) 1. बिना मूल का, जड़हीन, निराधार पुं. (तत्.) सांख्य के अनुसार प्रकृति-विशेष विलो. मूल।

**अमूलक** वि. (तत्.) 1. जिसकी जड़ न हो 2. निर्मूल 3. असत्य, मिथ्या।

**अमूला** स्त्री. (तत्.) एक पौधा, अग्निशिखा।

**अमूल्य** वि. (तत्.) 1. जिसका मूल्य आँका न जा सके, अनमोल 3. बहुमूल्य, बेशकीमती।

**अमृणाल** पुं. (तत्.) एक सुगंधित घास खस की जड़।

**अमृत** पुं. (तत्.) 1. वह पेय पदार्थ जिसे पीकर प्राणी अमर (या मृत प्राणी जीवित) हो जाता है, पीयूष, सुधा 2. स्वादिष्ट पदार्थ 3. हितकर वि. अमर, जो मृत न हो, अविनाशी।

**अमृतकुंडली** स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार के छंद का नाम 2. एक प्राचीन वाद्य का नाम, अमृतगति।

**अमृतजयंती** स्त्री. (तत्.) पचहत्तर वर्ष की वय पूर्ण होने पर किसी व्यक्ति संस्था आदि का जन्मदिन समारोह या अभिनंदन।

**अमृतता** स्त्री. (तत्.) अमरत्व।

**अमृतत्व** पुं. (तत्.) 1. अमर होने की स्थिति या भाव 2. अमृतवत् होने की स्थिति 3. मुक्ति, मोक्ष।

**अमृतदान** पुं. (तत्.) दे. अमृतबान।

**अमृतधारा** स्त्री. (तत्.) 1. एक वर्णवृत्त जिसके चार चरणों में क्रमशः 20, 12, 16 और 8 अक्षर होते हैं 2. एक गुणकारी औषध।

**अमृतधुनि** स्त्री. (तद्) अमृतध्वनि नामक छंद।

**अमृतध्वनि** स्त्री. (तत्.) 1. अमृत के समान मीठी लगने वाली ध्वनि 2. अमर ध्वनि, उत्साह देने वाला शब्द।